http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

AE-1037

B.A. (Part - I)
Term End Examination, 2016-17

HINDI LITERATURE

Paper - I

प्राचीन हिन्दी काव्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3

(क) भगति भजन हरि नांव है, दूजा दुक्ख अपार।
मनसा वाचा कमनां, कबीर सुमिरण सार॥ कबीर
सुमिरण सार है, और सकल जंजाल। आदि
अंति सब सोधिया, दूजा दैखौ काल॥

अथवा

पाट महादेइ! हिये न हारु। समुझि जीउ,
चित चेतु संभारू॥
भौंर कँवल संग होई मेरावा। सँवरि नेह
मालति पहँ पावा॥

http://www.onlineBU.com

पपिहै स्वाती सौं जस प्रीती। टेकु पियास
बांधु मन थीती॥

धरति ही जैस गगन सौं नेहा। पलटि आव
बरसा ऋतु मेहा॥

पुनि बसंत ऋतु आव नवेली। सो रस, सो
मधुकर सो बेली॥

जिनि अस णीव करसि तू बारी। चह तखिर
पुनि उठिहिं सँवारी॥

दिन दस बिनु जल सूखि विधंसा। पुनि सोई
सरवर सोई हँसा॥

मिलिहिं जो बिहुरे साजन, अंकम भेंटि गहंत।

तपनि मृगसिरा जे सहै, ते आद्रा पुलुहंत॥

(ख) आयो जोग सिखावन पांडे।

परमारथी पुराननि लादि, ज्यौं बनजारे टांडै।

हमरी गति पति कमलनयन को, जोग सिखै ते
रांडे॥

कहो मधुप, कैसे समायेंगे, एक म्यान दो
खांडे॥

कहु षटपद कैसे खैयतु हैं, हाथिन के संग
गांडे॥

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

काकी भूख गई बयारि भरिव, बिना दुध घृत मांडे॥

काहे का झाला ले मिलवत, कौन चोर तुम डांडे॥

सुरदास तीनों नहिं उपजत धनिया, धान, कुम्हांडे॥

अथवा

हरषि मुनीस कहेउ मृदु बानी। आनहु सकल सुतीरथ पानी॥

औषध मूल फूल फल पाना। कहे नाम गनि मंगल नाना॥

चामर चरम बसन बहु भांती। रोम पाट पट अगनित जाती॥

मनिगन मंगल बस्तु अनेका। जो जग जोगु भूप अभिषेका॥

बेद बिदित कहि सफल बिधाना। कहेउ रचहु पुर बिबिध बिताना॥

सफल रसाल पूगफल केरा। रोपहु बीथिन्ह पुर चहुँ फेरा॥

रचहु मंजु मनि चौंके चारु। कहहु बनावन बेगि बजारु॥

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

पूजहु गनपति गुर कूलदेवा। सब विधि करहु
भूमि सुर सेवा॥
दो-ध्वज पताक तोरन कलस सजहु सुरग रथ
नाग।
सिर धरि मुनिवर बचन सबु निज निज काजहिं
लाग॥

(ग) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत
काननि छवै।
हँसि बोलनि में छवि फूलन की, बरषा उर
ऊपर जाति है।
लट लोल कपोल कलोल करै, कल कंठ
बनी जलजावलि द्वै।
अंग-अंग तरंग उठै दुति की, परिहै मनौ रूप
अवै धरच्वै॥

अथवा

रावरे रूप की रीति अनूप नयो नयो लागत
ज्यौं ज्यौं निहारियै।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अघानि कहूँ
नहिआन तिहारियै।
एक ही जीव हुतौ सु तौ वारयो, सुजान
सकोच औ सोच सहारियै।
रोकी रहै न दहै घनआनंद बावरी रीझ के
हाथनि हारियै॥

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

2. कबीर मूलत: भक्त थे अथवा समाज सुधारक। प्रमाण सहित समझाइए। 12

अथवा

"जायसी का वियोग-वर्णन अधिक मार्मिक, मानवीय और सजीव है।" इस कथन पर अपनी सम्मति दीजिए।

3. महाकवि सूरदास को वियोग-वर्णन में अद्वितीय सफलता मिली है। इस पर अपना विचार व्यक्त कीजिए। 12

अथवा

"तुलसीदास ने लोककल्याण हेतु समन्वय पर अधिक बल दिया है।" इस उक्ति से आप कहाँ तक सहमत हैं? सतर्क उत्तर दीजिए।

अथवा

'प्रेम की पीर' का अनुभव जैसा घनानंद ने किया, किसी अन्य रीतिकालीन कवि ने नहीं। उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×3

(क) विद्यापति की सौंन्दर्य चेतना का वर्णन कीजिए।

(ख) रसखान के काव्य में प्रेम-तत्व को व्यक्त कीजिए।

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

(ग) रहीम के नीति-परक दोहों का जनमानस पर प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

(घ) प्रेम मार्गी काव्यधारा की विशेषताएँ बताइए।

(ङ) भक्तिकाल की काव्यधाराओं के प्रमुख कवियों और उनकी सर्वोत्कृष्ट कृतियों के नाम लिखिए।

(च) भ्रमरगीत के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **बारह** प्रश्नों के उत्तर अति संक्षेप में दीजिए : 1×12

(क) ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि का नाम बताइए।

(ख) बीजक में किस कवि की रचनाएँ संकलित हैं?

(ग) प्राचीन हिन्दी काव्य के संपादक का नाम लिखिए।

(घ) सूफी काव्यधारा के प्रवर्तक का नाम बताइए।

(ङ) राजा रत्नसेन कहाँ के राजा थे?

(च) 'मैथिल कोकिल' किस कवि को कहा जाता है?

(छ) 'कीर्तिलता' किस कवि की रचना है?

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

(ज) 'पदमावत' किस भाषा में लिखा गया है?

(झ) सूरदास के गुरु का नाम बताइए।

(ञ) सूरदास की भक्ति मुख्यत: किस भाव की है?

(ट) तुलसीदास की पत्नी का नाम क्या था?

(ठ) रहीम के काव्य का मुख्य विषय क्या है?

(ढ) रसखान का प्रिय छन्द क्या है?

(ड) 'वियोग बेलि' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ण) निर्गुण भक्तिकाव्य की दो धाराओं के नाम बताइए।

http://www.onlineBU.com